भारत - मैक्सिको संबंध

भारत और मैक्सिको में भू-जलवायु स्थिति, जैव विविधता, फिजियोनामी तथा पीपुल, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक मूल्यों तथा उपनिवेशकाल के यूरोपीय संबंधों की दृष्टि से उल्लेखनीय समानताएं हैं। दोनों ही देश महान सभ्यतागत विरासत के उत्तराधिकारी हैं तथा सांकेतिक रूप से दोनों देशों के बीच संपर्क पिछली कई शताब्दियों से चले आ रहे हैं। इस तरह की एक कथा प्रचलित है कि भारतीय राजकुमारी मीरा 17वीं शताब्दी में मैक्सिको पहुंची थी तथा वह यहां 'ला चाइना पोबलाना' के नाम विख्यात हैं। आजादी के बाद भारत को मान्यता देने वाला मैक्सिको लैटिन अमरीकी का पहला देश था, तथा इसने 1950 में भारत के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। भारत - मैक्सिको हाइब्रिड में प्रयुक्त मैक्सिको के गेंहूँ की किस्में 1960 के दशक में भारत की हरित क्रांति की मेरूदंड थी।

2. मैक्सिको की आम जनता में भारत की संस्कृति, सामाजिक मूल्यों तथा भारत के बहुलवादी लोकतंत्र के प्रति व्यापक जागरूकता तथा बहुत अधिक सम्मान एवं रूचि है। विशेष रूप से हाल के वर्षों में आर्थिक, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों की बहुत सराहना की जाती है। महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, रवींद्रनाथ टैगोर तथा मदर टेरेसा को बड़े पैमाने पर सराहा जाता हे। मैक्सिको के चार बड़े शहरों में गांधी जी प्रतिमाएं तथा आवक्ष प्रतिमाएं लगी हुई हैं; सड़कों एवं अनेक स्कूलों का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है। नोबल पुरस्कार विजेता तथा भारतीय भाषी ओक्टावियो पाज, जो 1960 के दशक में भारत में मैक्सिको के राजदूत थे, के भारत में अपने लंबे अनुभवों पर लिखे गए लेखों का मैक्सिको में बहुत अधिक प्रभाव है।

राजनीतिक

3. लंबे समय से चले आ रहे भारत - चिली संबंधों की विशेषता गर्मजोशी, मैत्री तथा व्यापक श्रेणी के मुद्दों पर विचारों में समानता है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता का विस्तार, पर्यावरण, जलवायु एवं अप्रसार जैसे मुद्दों पर मतभेद हैं। इस प्रकार, संबंध में कोई विवाद नहीं है। शीत युद्ध के वर्षों के दौरान, भारत और मैक्सिको ने यूएन, जी-77, जी-15 तथा जी-6 (परमाणु निरस्त्रीकरण) के सदस्य के रूप में निकटता से साथ मिलकर काम किया था, दोनों ने सक्रिय रूप से विकासशील देशों के हितों को व्यापार वार्ता के उरूग्वे चक्र जैसे मंचों में प्रस्तुत किया था।

4. 1980 के दशक के मध्य तक, राष्ट्राध्यक्ष एवं शासनाध्यक्ष के स्तर पर दोनों देशों के बीच आठ यात्राएं हुई थीं। विशेष रूप से पूर्व राष्ट्रपति फेलिप काल्डरोन की सितंबर 2007 में और भारत के राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल की अप्रैल 2008 में उच्च स्तरीय यात्राओं के बाद द्विपक्षीय बातचीत ने उस समय फिर से गति पकड़ ली, जब दोनों देशों ने "विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी" स्थापित की। प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने जून 2012 में लॉस कैबोस, मैक्सिको में

आयोजित जी 20 शिखर बैठक में भाग लिया। हाल के वर्षों में हमारे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, कृषि मंत्री, लोक सभा अध्यक्ष, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, संसदीय कार्य राज्य मंत्री, कपड़ा राज्य मंत्री और जल संसाधन राज्य मंत्री ने मैक्सिको का दौरा किया है। अक्टूबर, 2014 में संसद सदस्यों के एक भारतीय सद्भावना शिष्टमंडल ने मैक्सिको का दौरा किया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने पी एस यू तथा निजी क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों के सी ई ओ के एक विशाल शिष्टमंडल के साथ मई 2015 में मैक्सिको का दौरा किया।

5. राष्ट्रपति जी ने भारत का दौरा करने के लिए राष्ट्रपति पेना नियटो को निमंत्रण दिया है। मैक्सिको ने भी हमारे प्रधानमंत्री को मैक्सिको का दौरा करने का निमंत्रण दिया है तथा 2016-2017 की अवधि में दोनों यात्राओं के घटित होने को लेकर काफी उत्सुकता है। इस बीच, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर, 2014 में ब्रिसबेन में जी 20 शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में और फिर सितंबर 2015 में न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में राष्ट्रपति पेना नियटो के साथ बैठक की थी।

6. स्थापित द्विपक्षीय तंत्रों के तहत बैठकों जैसे कि छठवें द्विपक्षीय संयुक्त आयोग तथा तीसरे विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन क्रमश: अक्टूबर, 2014 और मार्च, 2014 में हुआ। मंत्री स्तर पर जे सी एम की बैठक पहली बार बुलाई गई थी जिसके लिए मैक्सिको के विदेश मंत्री जोस अंटोनियो मीड ने नई दिल्ली की यात्रा की।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक

7. हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में द्विपक्षीय व्यापार 6.45 बिलियन अमरीकी डालर था तथा यह अभी भी अपनी क्षमता से काफी कम है तथा 2018 तक यह 10 बिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच सकता है। भारत के निर्यात (3.73 बिलियन अमरीकी डालर) में मुख्य रूप से वाहन एवं आटो पार्ट्स, जैविक रसायन, विद्युत मशीनरी एवं इलेक्ट्रानिक उपकरण, एल्युमीनियम के उत्पाद, रेडीमेड गारमेंट, लोहा एवं इस्पात के उत्पाद तथा रत्न एवं आभूषण शामिल हैं। हमारे आयात (2.72 बिलियन अमरीकी डालर) के तहत मुख्य रूप से कच्चा तेल, विद्युत माल एवं मशीनरी, जैविक रसायन, वाहन एवं आटो पार्ट्स तथा लोहा एवं इस्पात शामिल हैं। भारत मैक्सिको से कच्चा तेल खरीदने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है, जिसकी वजह से 2012 एवं 2013 के दौरान व्यापार संतुलन मैक्सिको के पक्ष में चला गया था। 2014 में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट की वजह से व्यापार संतुलन पुन: भारत के पक्ष में (1.01 बिलियन अमरीकी डालर) झुक गया।

8. एक अनुमान के अनुसार, भारत की ओर से मैक्सिको में निवेश कई सौ मिलियन अमरीकी डालर में है। आईटी / साफ्टवेयर, फार्मास्यूटिकल एवं लोकोमोटिव क्षेत्र की अधिकांश अग्रणी भारतीय कंपनियों ने मैक्सिको के सामरिक लोकेशन, बड़े बाजार तथा निवेश अनुकूल

नीतियों का लाभ उठाते हुए मैक्सिको में सुविधाओं एवं संयंत्रों में निवेश किया है। मैक्सिको में तेल एवं गैस फील्ड के अन्वेषण एवं विकास के लिए बोली प्रक्रिया में भाग लेने के उद्देश्य से ओ वी एल मैक्सिको में अपना एक कार्यालय खोलने की योजना बना रहा है। मैक्सिको की कंपनियों ने भी आटोमोटिव, रसायन और मनोरंजन जैसे सेक्टरों में भारत में निवेश करना शुरू कर दिया है।

क्रियाशील सहयोग

9. दोनों देशों के बीच अनेक द्विपक्षीय करार एवं एम ओ यू भी हैं जिसमें निवेश संरक्षण एवं संवर्धन करार, दोहरा कराधान परिहार करार, प्रत्यर्पण संधि, सीमा शुल्क के मामलों में प्रशासनिक सहायता के लिए करार, वायु सेवा करार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग के लिए करार, अंतरिक्ष सहयोग के लिए करार, परंपरागत दवाओं में सहयोग, पर्यटन संवर्धन, सांस्कृतिक आदान - प्रदान के लिए करार आदि शामिल हैं। भारत आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत मैक्सिको को 15 छात्रवृत्तियां प्रदान करता है तथा आई सी सी आर द्वारा शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम के तहत चार अन्य छात्रवृत्तियों की पेशकश की जाती है। अक्टूबर, 2010 से गुरूदेव टैगोर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र मैक्सिको में काम कर रहा है तथा योग, शास्त्रीय एवं बालीवुड नृत्य, सितार, तबला एवं हिंदी और संस्कृत की कक्षाएं चलाता है। दोनों देशों के बीच पर्यटन निरंतर बढ़ रहा है। मैक्सिको के लगभग 15,000 नागरिकों ने पिछले साल भारत का दौरा किया तथा उनको ऑनलाइन ई-टूरिस्ट वीजा की सुविधा प्रदान की गई है। भारत के लगभग 30,000 नागरिक हर साल मैक्सिको जाते हैं, जिसमें वे भी शामिल हैं जो यू एस ए एवं यूरोपीय देशों से होते हुए वहां जाते हैं।

भारतीय समुदाय

10. मैक्सिको में भारतीय समुदाय (पी आई ओ / एन आर आई) बहुत छोटा है तथा एक अनुमान के अनुसार इनकी संख्या 2500 के आसपास है, जिसमें मुख्य रूप से भारतीय आई टी कंपनियों - टी सी एस, इंफोसिस, विप्रो, असेंचर आदि के साफ्टवेयर इंजीनियर हैं। इसके अलावा भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में अनेक कार्यपालक, स्थानीय विश्वविद्यालयों में शिक्षाविद / प्रोफेसर हैं तथा वस्त्र एवं गारमेंट के व्यवसाय में कुछ प्राइवेट व्यापारी हैं। इन श्रेणियों में से केवल शिक्षाविद एवं व्यापारी ही मैक्सिको के स्थाई निवासी हैं। बाकी के लोग 2-3 साल के अल्पावधिक कार्य आबंटन पर हैं तथा इसके बाद वे प्रतिस्थापित हो जाते हैं। हाल ही में ही, मैक्सिको यूएस जाने के लिए मध्य अफ्रीकी देशों, भारत तथा अन्य देशों से गैर कानूनी प्रवासियों द्वारा अपनाए जाने वाले रूट के रूप में उभरा है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावासटेमा, मैक्सिको एवं बेलिज की वेबसाइट :
http://www.indembassy.org/index.php

***

जनवरी, 2016